[142/A-37] Seat No._____ No. of printed pages : 2

SARDAR PATEL UNIVERSITY
B.A. (HINDI) (VI SEMESTER) EXAMINATION
Tuesday , 26th March 2019 : 2.00 p.m. to 5.00 p.m.
UA06CHLT17 : प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य पार्ट-२
Prachin Evam Madhyakalin Hindi Kavya Part-II

कुल गुण : ७०

सूचना : हिन्दी में शिरोरेखा लगाना उचित है ।

प्र.१ संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए । **(कोई भी तीन)** (१५)

(१) ''पहिले करि परनाम नंद सों समाचार सब दीजौ ।
औ वहाँ वृषभानु गोप सो जाय सकल सुधि लजौ ।।
श्रीदामा आदिक सब ग्वालन मेरे हुतो भेंटियो ।
सुख-संदेश सुनाय हमारो गोपिन को दुःख मेटियो ।।
मंत्री इक बन बसत हमारो ताहि मिले सचु पाइयो ।
सावधान हवै मेरे हूतो ताही माथ बवाइयो ।।
सुन्दर परम किसोर बयक्रम चंचल नयन बिसाल ।
कर मुरली सिर मोर पंख पीतांबर उर बनमाल ।।
जनि डरियो तुम सघन बनन में ब्रजदेवी रखवार ।
बृंदावन सो बसत निरंतर कबहुँ न होय नियार ।।
उद्धव प्रति सब कही स्यामजु अपने मन की प्रीति ।
सूरदास किरण करि पठए यहै सकल ब्रजरीति ।।''

(२) ''नीके रहियो जसुमति मैया ।
आवेंगे दिन चारि पाँच में हम हलधर दोउ भैया ।।
जा दिन ते हम तुम तें बिछुरे काहू न कह्यो कन्हैया ।
कबहूँ प्रात न कियो कलेवा, साँझ न पीन्हीं घैया ।।
बंसी बेनु संभारी राखियो और अबेर सबेरो ।
मति लै जाय चुराय राधिका कछुक खिलौनो मेरो ।।
कहियों जाय नन्द बाबा सों निपट निठुर जिन कीन्हों ।
सूर स्याम पहुँचाय मधुपुरी बहुरि संदेश न लीन्हों ।।''

(३) ''अनियारे दीरघ दृगनु, किती न तरुनि समान ।
वह चितवनि और कछू, जिहिं बस होत सुजान ।।''

(४) ''पत्रा ही तिथि पाइये, वा घर के चहूँ पास ।
नित प्रति पून्यौई रहै, आनन ओप उजास ।।''

(५) ''कहत, नटत, रीझत-खिझत, मिलत-खिलत लजियात ।
भरै भौन में करत हैं, नैननु ही सब बात ।।''

प्र.२ 'भ्रमरगीत सार' का कथानक लिखते हुए उसकी प्रमुख विशेषताएँ दर्शाइये । (२०)

अथवा

प्र.२ टिप्पणी लिखिए । (२०)

(१) 'भ्रमरगीत सार' में विरह-वर्णन ।

(२) सूरदास का कलापक्ष ।

प्र.३ बिहारी के संयोग शृंगार की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए । (२०)

अथवा

प्र.३ टिप्पणी लिखिए । (२०)

(१) बिहारी का जीवन परिचय ।

(२) बिहारी के काव्य में भक्ति और दर्शन ।

प्र.४ टिप्पणी लिखिए । (०८)

(१) सूरदास का कृतित्व ।

अथवा

(१) बिहारी का कलापक्ष ।

प्र.५ निम्नलिखित में से **किन्हीं सात** प्रश्नों के अतिसंक्षिप्त उत्तर लिखिए । (०७)

(१) सूरदास को किस रस के निरूपण में बेजोड़ कवि माना गया है ?

(२) सूरदास के विरह-वर्णन की चार विशेषताएँ दर्शाइये ।

(३) 'भ्रमरगीत सार' का मूल प्रेरणास्रोत कौन-सा पुराण है ?

(४) पुष्टिमार्ग में 'पुष्टि' का क्या अर्थ है ?

(५) बिहारी किस राजा के यहाँ दरबारी कवि थे ?

(६) बिहारी की काव्यभाषा कौन-सी है ?

(७) रीतिकाल में लिखित चार सतसईयों के नाम लिखिए ।

(८) बिहारी का सर्वाधिक प्रिय अलंकार कौन-सा है ?

(९) बिहारी किस सम्प्रदाय के कवि है ?

******